



४५

भारत का गज़तपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—बाण 3—खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं. 471] नई दिल्ली, बुहुस्पतिवार, अगस्त 5, 1993/वाष्ण 14, 1915

No. 471] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 5, 1993/SRAVANA 14, 1915

नागरिक पूति, उपभोक्ता मामले और

सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 1993

का. घा. 596(घ):—केन्द्रीय सरकार, अप्रिम संविदा (विनियम) प्रविनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन सावर्तं गुजरात काटन डीलर्स एसोसिएशन सूख धारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार भाष्योग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में तथा जोकहित में भी होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 धारा प्रदत्त असियों का

प्रयोग करते हुए उक्त एसोसिएशन को कपास में अग्रिम संविशा के बारे में 31 जूलाई, 1993 से 30 जूलाई, 1995 (जिसमें ये दोनों दिन शामिल हैं) की 2 वर्ष की ओर प्रविधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एहतद्वारा मान्यता [इस घर्ता] के अध्याक्षीन है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे नियंत्रणों का अनुपालन करेगी जो वायसा बाजार प्रायोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएंगे।

[मिसिल सं. 12/15/भाई. टी. 93]

कमल किशोर, प्रार्थक सलाहकार

**MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND
PUBLIC DISTRIBUTION**

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th August, 1993

S.O. 596(E).—The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Southern Gujarat Cotton Dealers' Association Surat, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition of the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1993, to the 30th July, 1995 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12/15/IT/93]

KAMAL KISHORE, Economic Adviser